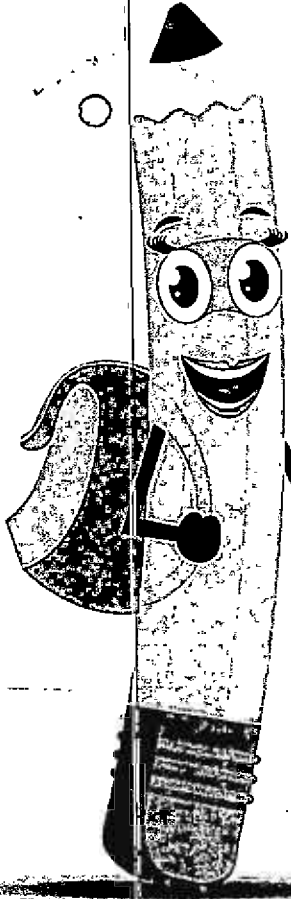


# बालश्रम के विरुद्ध विश्व दिवस

(12 जून 2019)



## बाल श्रम एक अपराध है!

14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के रोजगार और किशोरों (14 से 18 वर्ष तक) के खतरनाक व्यवसायों/ प्रक्रियाओं में नियोजन पर पूर्ण प्रतिबंध है।

आइये, हम इस बालश्रम के विरुद्ध विश्व दिवस के अवसर पर प्रण ले कि:

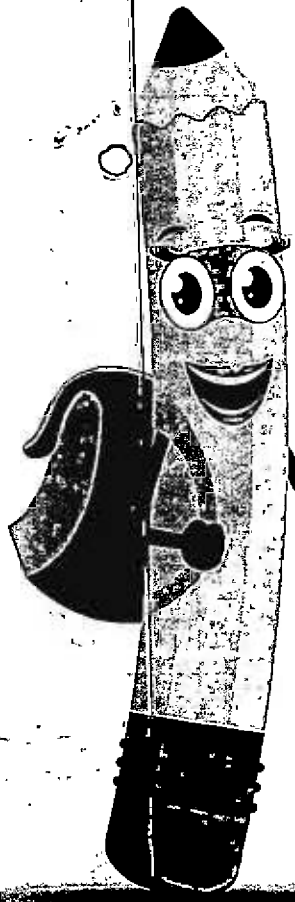
- बच्चों को किसी रूप में काम पर नहीं रखेंगे।
- जिन ढाबों या होटलों में बच्चे काम कर रहे हों, वहां कुछ भी नहीं खायेंगे या पीयेंगे।
- चौराहों इत्यादि पर सामान बेचने वाले बच्चों से कुछ भी नहीं खरीदेंगे।
- और सदैव सजग रहकर जहाँ बच्चों द्वारा मजदूरी करायी जा रही हो, इसकी सूचना तुरंत पुलिस थाने या श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के पेन्सिल पोर्टल ([www.pencil.gov.in](http://www.pencil.gov.in)) पर करेंगे।

बालश्रम से संघर्षित विकृत  
प्राथमिक शाल एवं किशोर श्रम  
(प्रतिबंध एवं निरोधन) अधिनियम,  
1986 में देखें।



श्रम एवं रोजगार मंत्रालय  
Ministry of Labour & Employment  
भारत सरकार (Government of India)

127  
सोच को बदलिए, समाज से इस बुराई को दूर कीजिये



# World Day Against Child Labour

(12 June, 2019)



## Child Labour is a crime!

There is complete ban on any employment of children below the age of 14 years, and of Adolescents ( 14 to 18 years ) in hazardous occupations/processes

**On World Day Against Child Labour, let us take a Pledge**

- Not to employ a child for any kind of work under any circumstances
- Not to eat or drink at any hotel or restaurant where a child is employed
- Not to buy anything from children selling at crossroads, subways, etc.
- To immediately report any incidence of a child indulged in any kind of labour to the police station or on Pencil Portal ([www.pencil.gov.in](http://www.pencil.gov.in)), of the Ministry of Labour and Employment

Detailed provisions regarding child labour may be seen in the Child and Adolescent Labour (Prohibition & Regulation) Act, 1986.



श्रम एवं रोजगार मंत्रालय  
Ministry of Labour & Employment  
भारत सरकार (Government of India)

[www.labour.gov.in](http://www.labour.gov.in)

@LabourMinistry

@LabourMinistry

120  
Change your thinking, remove this evil of child labour from the society.